



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 350]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 17, 2016/वैशाख 27, 1938

No. 350]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 17, 2016/VAISAKHA 27, 1938

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 मई, 2016

सं. 25/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 524(अ).—जहांकि, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि 1 जुलाई, 2012 से शुरू होने वाली और 19 अगस्त, 2014 को समाप्त होने वाली अवधि (एतश्मिन पश्चात् जिसे उक्त अवधि से संदर्भित किया गया है) में सामान्यतः उस समय प्रचलित सामान्य परम्परा के अनुसार अधिसूचना सं. 25/2012-सेवाकर, दिनांक 20 जून, 2012 जिसे सा.का.नि. 467 (अ), दिनांक 20 जून, 2012 के अंतर्गत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था, के पैराग्राफ 2 के उप-वाक्य (यचक) में यथा परिभाषित विनिर्दिष्ट संगठनों द्वारा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा द्विपक्षीय करारों के अंतर्गत मुहैया कराई जाने वाली धार्मिक तीर्थयात्रा सेवाओं पर कोई सेवा कर नहीं लगाया जाता था और ये सेवाएं सेवा कर के लायक थीं, लेकिन उसे उक्त परम्परा के चलते अदा नहीं किया जा रहा था।

अतः अब वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 83 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा निर्देश देती है कि उन सेवाओं पर जो कि विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा द्विपक्षीय करार के अंतर्गत उक्त अवधि में मुहैया कराए जाने वाली धार्मिक तीर्थ यात्राओं में उक्त विशिष्ट संगठनों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं पर वित्त अधिनियम, की धारा 66ख के अंतर्गत सेवा कर देय तो है, लेकिन उसे उक्त परम्परा के चलते अदा करने की जरूरत नहीं है।

[फा. सं. 137/16/2015-सेवा कर]

राजीव यादव, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 17th May, 2016

No. 25/2016-Service Tax

G.S.R. 524(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that in the period commencing on and from the 1st day of July, 2012 and ending with the 19th day of August, 2014 (hereinafter referred to as the said period) according to a practice that was generally prevalent, there was non levy of service tax on the services provided by the specified organisations as defined in clause (zfa) of paragraph 2 of the notification no. 25/2012-Service Tax dated 20th June, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary vide number G.S.R 467 (E), dated the 20th June, 2012, in respect of a religious pilgrimage facilitated by the Ministry of External Affairs of the Government of India, under bilateral arrangement and these services were liable to service tax, which was not being paid according to the said practice.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with section 83 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby directs that the service tax payable under section 66B of the Finance Act, 1994, on the services provided by the said specified organisations in respect of a religious pilgrimage facilitated by the Ministry of External Affairs of the Government of India, under bilateral arrangement, in the said period, but for the said practice, shall not be required to be paid.

[F. No. 137/16/2015-Service Tax]

RAJEEV YADAV, Director